



R.N.I. NO UPHINE 2013/53179

कानपुर नगर कानपुर देहात उत्तर बंगाल पर कन्तीज इटावा उर्द्ध जातीन सखनक आगरा मधुरा औरेया इत्ताहावाद से एक साथ प्रसारित

वर्ष - 8

अंक - 214

कानपुर

सोमवार, 12

जुलाई

2021

पृष्ठ - 4

मूल्य 1:00

2 गज की दूरी, मास्क है जरूरी

सोशल रिपोर्टर



हिन्दी दैनिक

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल, कृषि समस्याओं का खेत पर ही हल

चंद्रशेश्वर आजाद कृषि एवं श्रीचौगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डॉ. आर. सिंह की सफल पहल *सीएसए चला गांव की ओर* के त्रैम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निशाकरण विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि शरियांव के ग्राम और्हा में प्रगतिशील सेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं औन्नतलाइन गया। वह कार्यक्रम कृषि विज्ञान कोट्र शरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, सज्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकड़ जाती है। डॉहोने बताया कि इसका प्रभाव फलदार बुक्झों पर भी लाभदायक है। डॉ कहा कि किसान अपनी फसलों, सज्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में करते हैं। इससे वहाँ एक और फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का मैं रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने

पपीता, परलल, मक्का, हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में 25 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसाद/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी बाती के त्रैम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निशाकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपट की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। उथा कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटिलार, डॉक्टर आर ए. त्रिपाठी, सचिन सुकला सहित थोڑीय किसान उपस्थित रहे।



सीएसए में आज और कल लगेगा टीका



चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में 12 व 13 जुलाई को कोरोना टीकाकरण कैम्प लगेगा। कैम्प में 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारी, वैज्ञानिक व कर्मचारी दूसरी डोज लगवा सकेंगे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि जिन व्यक्तियों को 14 व 15 अप्रैल को प्रथम टीका लगा था, उन्हें दूसरी डोज लगनी है।



जन एक्सप्रेस

यूपी में प्रतिवादियों के ग्रामों

07 यहाँ से तथाकृत तस्वीरें प्रतिवादियों

02 टेलीविजन विभाग

05 अक्षय कुमार

04



एक नजर में...

कृषि वैज्ञानिकों ने खेत पर ही जाकर किसानों की समस्याओं का किया निराकरण

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरतन ने बताया कि थरियांव के



ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जिसका प्रयोग धान, गेहूं, दलहन, औषधीय, गन्ना और सब्जियों की फसल में करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है तथा फलदार वृक्षों पर भी इसका प्रभाव लाभदायक है। उन्होंने बताया कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए रासायनिक दवाओं का प्रयोग अधिक मात्रा में करते हैं जिससे फसल की लागत बढ़ जाती है परंतु फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है तथा इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ. साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए. त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 12 जुलाई • 2021

5

सीएसए चला गांव की ओर, खेत में प्रदर्शनी लगा दी जानकारी



कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि वैसे तो पहले भी ग्रामीण क्षेत्रों में काम करती रही है, पर अब उसने बकायदा सीएसए चला गांव की ओर अभियान छेड़ा है। सीएसए वैज्ञानिकों की इस अनूठी पहल के तहत किसानों के खेत में पहुंचकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान

राम सिंह पटेल के खेतों में किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन व आँनलाइन संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव के वैज्ञानिकों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सीएसए के पादप

रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरल ने किसानों को विवि द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फू.फूदीनाशक दवा है। धान, गेहूं, दलहन, औषधीय पौधे, गन्ना व सब्जियों की फसल में इसके प्रयोग से फू.फूदीजनित तना गलत, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। फलदायक वृक्षों पर भी

ओंग गांव के प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेत में लगायी गई प्रदर्शनी

रासायनिक खादों की जगह ट्राइकोडरमा के प्रयोग के लिए किसानों को किया प्रोत्साहित

इसका प्रयोग लाभदायक है। उन्होंने किसानों को बताया कि रासायनिक दवाओं के प्रयोग से एक तो फसल की लागत बढ़ जाती है, वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है।

ट्राइकोडरमा का उपचार फायदेमद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से काफी कम है। प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने इस अवसर पर अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता, परवल, मक्का, हल्दी सहित

सीएसए कर्मियों के लिए कोविड टीकाकारण शिविर आज व कल

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि कर्मियों को कोविड-19 से बचाव के द्वितीय टीका के लिए विवि स्थित मानव चिकित्सा केन्द्र पर 12 व 13 जुलाई को शिविर लगाया जायेगा। यहां विवि के 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के शिक्षकों-स्टॉफ को कोविड-19 से बचाव के लिए दूसरा टीका लगाया जायेगा। विवि मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान के अनुसार जिन विवि कर्मियों को 14 व 15 अप्रैल को प्रथम टीका लग चुका है, उन्हीं कर्मियों को द्वितीय टीका लगाया जायेगा। विवि चिकित्साधिकारी डॉ. एसके सिंह ने बताया कि दोनों दिन मिलाकर करीब 300 टीके के डोज दिये जायेंगे।

चार फसलों से एक एकड़ में 5 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव को साझा किया।

विवि के निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ. एके सिंह ने किसानों को राम सिंह पटेल के मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेन्द्र सिंह ने किसानों की

विभिन्न जिजासाओं व समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर एक-एक किग्रा ट्राइकोडरमा भी किसानों के बीच वितरित किये गये। डॉ. साधना वैश्य, डॉ. अलका कटियार, डॉ. आरए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला आदि ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

www.facebook.com/worldkhaleexpresswww.twitter.com/worldkhaleexpresswww.youtube.com/worldkhaleexpress<https://worldkhaleexpress.media/>

WORLD खबर EXPRESS

खबर एक्सप्रेस

अंक : 284

कालापुर नगर

विष्व

जनलांस्या

दिवस



11 जुलाई 2021, तिक्ता

www.worldkhaleexpress.media

MID DAY E-PAPER

www.worldkhaleexpress.com

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल

किसानों की समस्याओं का खेत पर ही जाकर 'हल'

कालापुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ढीआर सिंह की सफल पहल 'सीएसए चला गांव की ओर' के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही जाकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया।

पादप रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरतन ने बताया कि थरियांब के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन और ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, थरियांब के वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही आयोजित किया। डॉ. वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय की विकसित गई ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा, घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धन, गेहूं, दलहन, औषधीय, गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ. वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों,



सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है तो वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत, रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता, परबल, मक्का, हल्दी सहित 4 फसलों से 1 एकड़ में 5 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार एवं

समन्वयक डॉ. एके सिंह ने किसानों से सीधी बातों के क्रम में किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेतीबाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया। इस अवसर पर 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया और सराहना की। इस अवसर पर डॉ. साधना वैश्य, डॉ. अलका कटियार, डॉ. आरए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

अमर उजाला

सोमवार • 12.07.2021

kanpur.amarujala.com

02

खेतीबाड़ी संबंधी समस्याओं का किया निराकरण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने रविवार को सीएसए चला गांव की ओर कार्यक्रम में किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. वेदरतन ने बताया कि फतेहपुर के थरियांव कस्बे के औंग गांव में किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी की गई। किसानों को विवि द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में भी बताया गया। (संवाद)





जान एक्सप्रेस

यूपी में अलकायदा के आतंकी

- 07 पटे हो लखनऊ में कलाओं औंपेटेला जाही
- 02 टेलिट फिल्म विपणन
- 05 आतंकी द्वा छलत
- 04

मुख्य
और राज्यवाद
का के जरूरी था
[संपर्क करें](#)



विश्वविद्यालय कर्मियों को लगेगी वैक्सीन

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव चिकित्सा केंद्र पर सोमवार और मंगलवार को 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कोविड-19 का द्वितीय टीका लगाया जाएगा। डॉ. खलील खान ने बताया कि 14 व 15 अप्रैल को प्रथम टीका लगवा चुके कर्मियों को ही द्वितीय टीका लगाया जाएगा।

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल, कृषि समस्याओं का खेत पर ही हल सज्जियों में रासायनिक किट का प्रयोग करने से बचे

डीटीएनएनप

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा धुलनशील जैविक फफूटी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन, औषधीय ग्रन्ति और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूट जनित तना गलन, उकड़ा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलादार वृक्षों पर भी लाभदायक है।

सज्जियों में रासायनिक कीट का प्रयोग ना करें

डॉ वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है।



पपीता परवल मक्का एक साथ करें

इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता, परवल, मक्का, हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में ८५ लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस भौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी वार्ता के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल

को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र रिंग ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया। इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। तथा कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला

सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

खेती की समस्याओं का निरतारण करेंगे कृषि वैज्ञानिक

कानपुर, 11 जुलाई। सीएसए के ट्राइकोडरम के कृलपति डॉ. डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेती-बाढ़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रो व डॉक्टर वेदतन ने बताया कि धरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान गम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय ठेगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संसाधनों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र धरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकासित ट्राइकोडरम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरम घुलनशील जैविक फसलों नाशक दवा है जो धन, गेहूं, दलहन, औषधीय, गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फसल जनित तत्व गलन, उकड़ा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ वेदतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए

■ सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल, उत्पादन बढ़ाने पर जोर देंगे

बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। आधुनिक तकनीकों में ट्राइकोडरम का उपचार दूर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद गरीबा, परवल, मक्का, हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में 75 लाख प्रति वर्ष आव अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार समन्वयक डॉ एक सिंह ने किसानों से सोधी बातों के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाढ़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया। इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरम का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्षुअल प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ साधना विश्व, डॉक्टर अलका कटियार, डॉ आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थिति रहे।



खेतों में समस्या का निरतारण करते वैज्ञानिक।

सीएसए कर्मियों को 2 दिन लगेगी वैद सीन की दूसरी डोज

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 11 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मानव चिकित्सा केंद्र पर 2 दिन (दिनांक 12 एवं 13 जुलाई 2021) विश्वविद्यालय के 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ष के अधिकारियों/वैज्ञानिकों/शिक्षकों एवं कर्नन्दारियों के कोविड-19 का द्वितीय टीका लगेगा। विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जिन विश्वविद्यालय कर्मियों के 14 एवं 15 अप्रैल 2021 को प्रथम टीका लग चुका है। उन्हें कर्मियों को द्वितीय टीका लगाया जाएगा। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के मानव स्वास्थ्य केंद्र पर प्रति 10.00 बजे से स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टीकाकरण का कार्य शुरू हो जाएगा। प्रथम दिन 150 एवं दूसरे दिन 150 कुल 300 कोविड-19 के द्वितीय टीका लगाए जाएंगे।

खेतों पर हल होंगी कृषि की समस्याएं

कानपुर। अब वैज्ञानिक ही खेतों पर जाकर कृषि समस्याओं को हल करेंगे। इसको लेकर सीएसए के वैज्ञानिकों ने अनूठी पहल की है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए भी वैज्ञानिक खेतों पर जाकर प्रजेटेशन करने के साथ संगोष्ठी आयोजित करेंगे।

कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विविचला गांव की ओर अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत वैज्ञानिक किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निस्तारण करेंगे। विविचला गांव में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। राम सिंह पटेल लहसुन के बाद पपीता, परबल, मक्का, हल्दी समेत चार फसलों से एक एकड़ में 5 लाख रुपये प्रति वर्ष आय कर रहे हैं। इसे किसान मौडल के रूप में देख सकते हैं। डॉ. साधना वैश्य, डॉ. अलका कटियार, डॉ. आरएनिपाठी, सचिन शुक्ला, डॉ. खलील आदि रहे।



वर्ष: ६, अंक: ९८ मुण्ड: १२
कानपुर बहानगढ़, गोमती
१२ कुलार्ड, २०२१
मूल्य ₹ २.००

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

मात्रायती ने खेता ठमता, सत्यराम बहुती महानाई को तोड़ लाया नहीं... ६

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल कृषि समस्याओं का खेत पर ही हल

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रसेन्दर आचार्य कृषि एवं प्रैदूर्यगिवारी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति छाँकटर दी. आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के त्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबहुती से संबंधित समस्याओं का नियन्त्रण किया। पाल्प गोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर छाँकटर वेदरलन ने बताया कि शरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान गम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं अँगलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र शरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरलन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्रूइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रूइकोडरमा गुलनशील जैविक फसलों की नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन, औषधीय ग्राम और सब्जियों की फसलों में प्रयोग करने से उसमें लगाने वाले पर्याप्त जनित तना गलत, उक्त



आदि गोंगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभकारी है। डॉ वेदरलन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को गोंगों से बचाने के लिए बहुतायत में गुप्ताधिनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक थोर फसल की लागत बढ़ जाती है। कहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्रूइकोडरमा का उपचार हर हाल में प्रयोगशील है। इसकी वीमत व लागत

गुप्ताधिनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान गम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बद पपीता, परखल, माझहल्दी सहित चार फसलों से १ एकड़ में ₹५ लाख प्रति बर्ब आय अजैन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसाद/समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी बातों के त्रम में प्रगतिशील किसान गम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी।



pgmail.com, vidhankesarinews@gmail.com

www

हिन्दी दैनिक



...तथात लिंक जनहित के लिए

विधान केसरी

लखनऊ ट्रैक्टरण, टीमपार १२ जुलाई २०२१ (पार्ट-३ अंक २१), मृत्यु-२.०० रुपये पृष्ठ-१६

खेती से आय दोगुनी हो, इस सफल मॉडल का प्रदर्शन खेत में वैज्ञानिकों ने किया

कानपुर (विधान केसरी) | सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक

फूलदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन, औषधीय गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फूलद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक और फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता, परवल, मक्का, हल्दी सहित

चार फसलों से १ एकड़ में ?५ लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी वार्ता के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया इस अवसर पर एक १-१ किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। तथा कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।



शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

मात्रात्मक ने खोला हमला, सरकारें बहुती महंगाई को तेजस आंसर नहीं...।

सीएसए कर्मियों को 2 दिन लगेगा कोविड-19 का द्वितीय टीका

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मानव चिकित्सा केंद्र पर 2 दिन (दिनांक 12 एवं 13 जुलाई 2021) विश्वविद्यालय के 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारियों/वैज्ञानिकों/ शिक्षकों एवं कर्मचारियों के कोविड-19 का द्वितीय टीका लगेगा। विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि

जिन विश्वविद्यालय कर्मियों के 14 एवं 15 अप्रैल 2021 को प्रथम टीका लग चुका है। उन्हीं कर्मियों को द्वितीय टीका लगाया जाएगा। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के मानव स्वास्थ्य केंद्र पर प्रातः 10:00 बजे से स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टीकाकरण का कार्य शुरू हो जाएगा। प्रथम दिन 150 एवं दूसरे दिन 150 कुल 300 कोविड-19 के द्वितीय टीके लगाए जाएंगे।